प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
28.03.2026 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में एक महीने से अधिक समय से जारी संघर्ष को लेकर पूरी दुनिया चिंतित है। उन्होंने कहा कि युद्ध के कारण कई देशों में खाद्य सामग्री, पेट्रोल, डीज़ल, गैस और उर्वरकों जैसी आवश्यक वस्तुओं की कमी हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थिति की समीक्षा के लिए उन्होंने देश के सभी मुख्यमंत्रियों से सकारात्मक चर्चा की है।

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में एलपीजी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, हालांकि कमर्शियल गैस की कुछ कमी जरूर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से भी बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव प्रतिदिन पेट्रोल डीजल की स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

प्रश्नकाल

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश को पिछले तीन वर्षों में केंद्र सरकार से अलग–अलग मदों में 44 हजार 5 सौ 19 करोड रूपए की राशि प्राप्त हुई है। शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक विनोद कुमार, रणधीर शर्मा, और सुधीर शर्मा के संयुक्त सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों का समान विकास करना सरकार की प्राथमिकता है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने केंद्र सरकार द्वारा जारी बजट के असमान वितरण का मामला उठाया और आरोप लगाया कि केंद्र से जो पैसा आ रहा है वह कांग्रेस विधायकों के विधानसभा क्षेत्र में आबंटित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र से हिमाचल को जरूरत से ज्यादा धनराशि मिल रही है। बावजूद इसके सरकार केंद्र से सहायता न मिलने का जो आरोप लगा रही है वो निराधार है। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल फ्राड के बढते मामलों पर रोक लगाने के लिए भविष्य में एआई की नॉलेज रखने वाले लोगों की नियुक्ति पर सरकार विचार करेगी। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि बीते 3 वर्षों में प्रदेश में डिजिटल फ्राड के 5 सौ 86 मामले दर्ज हुए । इन मामलों में एक सौ 50 करोड़ 19 लाख रूपए की ठगी हुई है।

कटौती प्रस्ताव

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की तरफ से हिमकेयर योजना को लेकर जो तथ्य सामने रखे गए हैं, वे सत्य नहीं है। विधानसभा में आज स्वास्थ्य से संबंधी लाए गए कटौती प्रस्ताव के दौरान चर्चा में भाग लेते हुए जयराम ठाकुर ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि यदि हिमकेयर योजना को लेकर कुछ गलत हुआ है तो उसकी जांच करवाई जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि योजना के नाम पर अनियमितता के आरोप लगाकर नेक कार्य में जुटे चिकित्सकों को बदनाम करना सही नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि कोविड–19 के समय सेवाएं देने वाले आऊटसोर्स कर्मचारियों को नौकरी से निकालना गलत है। स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि राज्य सरकार नेता प्रतिपक्ष की तरफ से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर दिए गए सुझाव पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि जहां भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता होगी, उस दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा कोविड–19 के दौरान सेवाएं देने वाले कर्मचारियों की सेवाएं फिर से लेने पर भी विचार किया जाएगा।

जयराम ठाकुर

बाद में पत्रकारों से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमकेयर योजना में हुए घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयान अलग–अलग हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जानबूझ कर हिमकेयर योजना को बदनाम कर रही है।